दिनांक 2 नवम्बर, 1982

कमांक 1640—ज(II)—82/38266. —श्री गुरदर्याल सिंह, पुत्र श्री धौंकलराम, गांव रोढा, तहसील व जिला भिवानी की दिनांक 30 जुलाई, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गुरदयाल सिंह को मुवलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना कमांक 3917—रIII—69/27132, दिनांक 11 नवम्बर, 1969, श्रीधसूचना कमांक 5041—श्रार—III—70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा कमांक 1789—ज(I)—79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूवर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विद्यवा श्रीमती कड़िया के नाम रबी, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर, 1982

क्रमांक 1522—ज(I)–82/38980.—श्री वाशी राम, पुत्र श्री सघा राम, गांव घूराला, तहसील व जिला श्रम्वाला की दिनांक 16 मार्च, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v) (1v) तथा 3(1v) के श्रधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री वाशी राम को मुझ्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना क्रमांक 419–र-4–70/34459, दिनांक 25 फरवरी, 1970 तथा श्रिधसूचना क्रमांक 5041–श्रार–III–70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती वीरांवाली के नाम खरीफ 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

कमांक 1644-ज(I)-82/39001.—श्री ग्रमीर सिंह, पुत्र श्री दिवान चन्द, गांव पंजलासा, तहसील नारायणगढ़, जिला श्रम्वाला की दिनांक 3 मार्च, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिक्षित्रमम्, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रौर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्राधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ग्रमीर सिंह को मुब्लिंग 200 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की ग्रिधिसूचना कमांक 4487-जे. एन.—III-66/10086, दिनांक 2 जून, 1966 तथा ग्रिधसूचना कमांक 5041-ग्रार—III-70/29505, दिनांक 6 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्जूर की गई थी, ग्रव उसकी विधवा श्रीमती गुर देवी के नाम खरीफ 1980 से 350 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 11 नवम्बर, 1982

कमांक 1434—ज(I)—82/39766.—श्री होतु राम, पुत्र श्री नौनीत राम, निवासी नई स्रावादी निक्ट वैरक नं. 28, कैम्प यमुना नगर, ज़िला स्रग्वाला की दिनांक 7 स्रप्रैल, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार स्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में स्रपनाया गया है श्रीर उसमें स्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v) (1v) तथा 3(1v) के स्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री होतु राम को मुख्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाव/हरियाणा सरकार की स्रिधसूचना कमांक 768—ज—I—73/19340, दिनांक 28 जून, 1973 तथा स्रिधसूचना कमांक 1789—ज—I—79/44040, दिनांक 30 स्रक्तूवर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, स्रव उसकी विधवा श्रीमती लक्ष्मी वाई के नाम खरीफ 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के स्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 12 नवम्बर, 1982

कमांक 1685—ज (I)-82/39989.—श्री रामसरूप, पुत्र श्री मोलड, गांव मुरथल, तहसील व जिला सोनीपत की दिनांक 14 जनवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन । प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुई श्री राम सरूप को मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना कमांक 424-ज-II-78/7924, दिनांक 17 मार्च, 1978 द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विश्व श्रीमती दाखोदेवी के नाम खरीफ 100 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रम्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 1643-ज(I)-82/40002--श्री मालिक चन्द, पुत्र श्री नानक चन्द, म. नं. 4670/3, पटेल रोड, ग्रम्वाला शहर जिला ग्रम्बाला की दिनांक 27 ग्रप्रैल, 1980 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम,

1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं $2(\mathfrak{v})(1)$ तथा 3(1) के अधीन प्रदानकी गई शक्तियों का प्रयोगु करते हुए श्री भालिक जन्द को मुख्तिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक $5426-\overline{\tau}/11-70/1787$, दिनांक 19 जनवरी, 1971 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमृति जीवन देवी के नाम खरीफ, 80 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 नवम्बर, 1982

क्रमांक 1721—ज (II)—82/40628.—श्री साधु राम, पुत्र श्री सुखदेव गांव भागवी, तहसील दादरी, जिला भिवानी की दिनांक 18 जुलाई, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री साधु राम को मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 2269—ज(I)–74/514, दिनांक 7 जनवरी, 1975 हारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमित श्योकोरी के नाम रबी 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1726—ज (II) -82/40632. —श्री बेग राज, पुत्र श्री देवितया गांव सिवाह, तहसील व जिला जीन्द दिनांक 8 जूलाई, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पुर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रिपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बेगराज को मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रिधिसूचना क्रमांक 5700—ग्रार (4) -67/4305, दिनांक 22 नवम्बर, 1967, ग्रिधिसूचना क्रमांक 5041—ग्रार—III—70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा ग्रिधिसूचना क्रमांक 1789—ज (I) -79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूवर, 1979 हारा मन्जूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमित खजानी देवी के नाम रवी 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 नवम्बर, 1982

क्रमांक 1748—ज(Π)—82/41819.—श्री अमर सिंह, पुत्र श्री भगवान सिंह, गांव बीर वांगड़ा, तहसील व जिला जीन्द की दिनांक 15 जुलाई, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पुर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री अमर सिंह को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2251-ज-(Π)—72/31544, दिनांक 23 अगस्त, 1972 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789—ज-(Π)—79/44040, दिनांक 30 अस्तूबर, 1979 द्वारा मःजूर की गई थी, अब इसकी विध्या श्रीमित ज्ञानकौर उर्फ गिनी के नाम रबी, 1982 से 300 ल्पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक $1742-\sigma(II)-82/41823$.—श्री शिभू सिंह, पुत्र श्री धन सिंह, गांव बव्वा, तहसील कोसली, जिला रोहतक की दिनांक 12 फरवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम 1948 (जैसा कि उसहिरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और ज़समें ग्राज तक संग्राधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (एं) (1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई गिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री प्रिभू सिंह को मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाव/हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना कमांक 1148-जे.एन. (III)-66/2768, दिनांक 17 फरवरी, 1966, ग्रिधिसूचना कमांक 5041-मार-1II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा ग्रिधिसूचना कमांक 1789-जे (I)-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979 हारा मन्जूर की गई थी, ग्रव उसकी विधवा श्रीमित मानकौर के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

टी. ग्रार. तुली,

स्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।